जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 119
दिनांक 02.08.2022

एग्रीकल्चर भारत की लाइफ लाइन है –डॉ. धीरेंद्र खरे
कृषि उद्यमिता उन्मुखीकरण व अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित
4 राज्यों के 31 कृषि आधारित स्टार्टअप प्रतिनिधियों की भागीदारी

जबलपुर 02 अगस्त। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन की सद्प्रेरणा व अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेंद्र खरे के मुख्य आतिथ्य में कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान के सभागार में कृषि उद्यमिता उन्मुखीकरण व अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन हुआ। विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान के बी.पी.डी. सेंटर द्वारा जवाहर राबी के प्रेरणा एवं साकार के 31 स्टार्टअप के प्रतिनिधियों की भागीदारी रही। कार्यक्रम के शुभारंभ में मां सरस्वती के पूजन एवं विश्वविद्यालय कुलगीत का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेंद्र खरे ने अपने उद्बोधन में कहा कि कृषि हमारे देश की लाइफ लाइन है, रूरल इंडिया का मन में विचार आना व नवाचार के साथ नए–नए स्टार्टअप तैयार करना बहुत ही सराहनीय कार्य है। आज जरूरत है ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के प्रमुख पहलू स्वास्थ्य, चिकित्सा, शिक्षा व बिजली का सुगमता से प्राप्ति के साथ शहरी सुविधाएं गांव में प्राप्त हो, जैसे इंटरनेट का व्यापक सुगमता हो, ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में शिक्षा प्राप्त छात्र–छात्राओं में अंतर कम हो। समस्त बेसिक बातों के साथ खेती और कृषि की महत्ता हेतु जागरूकता की महती आवश्यकता है। ताकि खेती करने वाले गांव में रहने वाले की संख्या में बढ़ोतरी हो। डॉ. खरे ने स्टार्टअप प्रतिनिधियों के आईडिया एवं कार्यों की सराहना की व इस दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान के कार्यों की प्रशंसा की।

कार्यक्रम के शुभारंभ में डॉ. एस बी नाहातकर, निदेशक, आई.ए.बी.एम. एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जवाहर राबी ने बताया कि केंद्र के तकनीकी मार्गदर्शन में अब तक 86 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया, इसमें से 31 स्टार्टअप प्रारंभ किए गए, एवं 28 स्टार्टअप को पूर्णतः आर्थिक मदद कृषि मंत्रालय, भारत सरकार से 231.75 लाख की ग्रांट प्राप्त हुई एवं 314 प्रत्यक्ष रोजगार एवं अप्रत्यक्ष रूप से 6000 लोगों को फायदा हुआ। सबसे प्रमुख इसमें 50 प्रतिशत रोजगार महिलाओं को प्राप्त हुआ। इस स्टार्टअप से लगभग 50 हजार कृषक सीधे कनेक्ट हुये। 3 वर्षो में 95 प्रोडक्ट लांच, अबतक 2 पेटेन्ट मिले, 7 ट्रेडमार्क, 33 अवार्ड स्टार्टअप मिले। इनके माध्यम से 1268 लाख रेवेन्यू मिला। स्टार्टअप से 92000 लोगों को स्टाटअर्प के उत्पादों से लाभांवित हुये है। इस जवाहर राबी के अंतर्गत कार्यक्रम में मंचासीन रहे, डॉ. धीरेंद्र खरे, डॉ.जी.के.कोतू, संचालक अनुसंधान सेवाएं, डॉ. अतुल श्रीवास्तव, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय, डॉ. ए.के. सरावगी, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय जबलपुर, नाबार्ड के अधिकारी श्री अपूर्व गुप्ता, डॉ. अजय खरे, उप लेखानियंत्रक एव डॉ. मोनी थॉमस, प्रबंध संचालक जवाहर राबी की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में स्टार्टअप के प्रतिनिधियों द्वारा उनके तैयार किए गए उत्पाद के प्रदर्शनी लगाकर जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान जवाहर राबी के अंतर्गत तैयार साहित्य का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में समस्त विभाग के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं बड़ी संख्या में स्टार्टअप प्रतिनिधि एवं छात्र–छात्राओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. अनुपमा वर्मा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. मोनी थॉमस द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती लवीना शर्मा पाल,व्यवसाय प्रबंधक, श्रीमती लक्ष्मी मनोज ठाकुर,सहप्रबंधक, दीपक पाल, हेमन्त राहगडाले, लोकेश पटेल, दीपक पटेल, जय वर्मा की उल्लेखनीय भूमिका रही।